

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 299 | श्री विजयपुरम, रविवार, 08 नवंबर 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए



शुभकामनाएँ



'उत्तराखंड' राज्य के स्थापना दिवस (9 नवम्बर) के शुभ अवसर पर मैं अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में निवास कर रहे उत्तराखंड के समस्त लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

'देवभूमि' के नाम से विख्यात उत्तराखंड अपनी अनुपम प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध आध्यात्मिक विरासत और जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। यह राज्य अपने लोगों के साहस, दृढ़ संकल्प और समर्पण का प्रतीक है, जिनका योगदान राष्ट्र की प्रगति को निरंतर समृद्ध कर रहा है।

यह विशेष अवसर हमें अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के अनुरूप एकता, सद्भाव और भाईचारे के बंधनों को और अधिक सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। आइए, हम सब समावेशी विकास, सतत् प्रगति और सामूहिक समृद्धि के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लें।

इस शुभ अवसर पर मैं उत्तराखंड राज्य और उसके समस्त लोगों के सुख, शांति, समृद्धि एवं निरंतर प्रगति की कामना करता हूँ। उत्तराखंड विकास के नए आयाम स्थापित करते हुए विकसित भारत@2047 के संकल्प को साकार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता रहे।

(डॉ. दिनेश शर्मा)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ



प्रकाश पर्व दीपावली के पावन अवसर पर मैं अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के समस्त निवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। यह पर्व प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए।

आइए, हम सभी इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाएँ तथा अपने सुंदर द्वीपसमूह में एकता और भाईचारे के बंधन को और अधिक सुदृढ़ करें।

सभी को दीपावली–2026 की उज्ज्वल एवं समृद्धिमय शुभकामनाएँ।

(बिष्णु पद राय)
सांसद
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

जि.प. अध्यक्ष ने दी दीपावली की शुभकामनाएँ

श्री विजयपुरम, 7 नवंबर।

दीपावली के पावन अवसर पर दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद के अध्यक्ष श्री पी. उम्मर ने दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद तथा अपनी ओर से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी निवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा, "प्रकाश का पर्व दीपावली अंधकार पर प्रकाश, अज्ञानता पर ज्ञान तथा निराशा पर आशा की शाश्वत विजय का प्रतीक है। हमारे द्वीप विविधता में एकता का एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं और यह पर्व हमें और अधिक निकट लाते हुए हमारे घरों को सुख, शांति एवं समृद्धि के प्रकाश से आलोकित करता है।"

उन्होंने आगे कहा, "उत्तर से दक्षिण तक जब दीपों की रोशनी हमारे द्वीपसमूह को आलोकित करती है, तो आइए, हम भाईचारे, आपसी सम्मान तथा अपने द्वीपों के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नए सिरे से दोहराएँ। मैं प्रार्थना करता हूँ कि यह पर्व आप सभी और आपके परिवारों के लिए उत्तम स्वास्थ्य एवं अपार खुशियाँ लेकर आए। आप सभी को सुरक्षित, पर्यावरण–अनुकूल एवं मंगलमय दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ!"

जन शिकायतों के निवारण के लिए दक्षिण अण्डमान ज़िला पुलिस ने श्री विजयपुरम एवं शहीद द्वीप में आयोजित की जन सुनवाई





श्री विजयपुरम, 7 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल के निर्देशों के अनुरूप, दक्षिण अण्डमान ज़िला पुलिस द्वारा 7 नवंबर, 2026 को दक्षिण अण्डमान ज़िले के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में तथा 6 नवंबर, 2026 को शहीद द्वीप पुलिस थाने में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए गए। शहीद द्वीप में आयोजित कार्यक्रम का संचालन स्वराज द्वीप के उपमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) द्वारा किया गया। इस पहल के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतें, समस्याएँ एवं सुझाव पुलिस के समक्ष सीधे प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया।

श्री विजयपुरम में आयोजित जन सुनवाई के दौरान दक्षिण अण्डमान ज़िले के पुलिस अधीक्षक ने शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी समस्याएँ सुनीं। शिकायतकर्ताओं द्वारा उठाए गए मुद्दों को उचित जाँच एवं आगे की कार्रवाई के लिए दर्ज़ किया गया।

इसके अतिरिक्त, शहीद द्वीप में भी स्वराज द्वीप के उपमंडल पुलिस अधिकारी द्वारा जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आम जनता तथा पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के सदस्यों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए, जिन्हें एसडीपीओ द्वारा ध्यानपूर्वक दर्ज़ किया गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का उचित समाधान किया जाएगा।

जन सुनवाई कार्यक्रम के समापन के पश्चात् स्वराज द्वीप के एसडीपीओ ने 'अपराजिता' आत्मरक्षा प्रशिक्षण की प्रतिभागियों से भी बातचीत की। यह प्रशिक्षण अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है। प्रतिभागियों ने स्कूली छात्राओं के लिए पुलिस द्वारा आयोजित इस आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की तथा इसे महिलाओं की सुरक्षा, आत्मविश्वास बढ़ाने और सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

आगे बताया गया कि जन सुनवाई कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक कार्यालय के साथ–साथ उपमंडल पुलिस अधिकारी स्तर पर भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि विभिन्न क्षेत्रों के नागरिक सुविधाजनक तरीके से पुलिस सेवाओं का लाभ उठा सकें तथा अपनी शिकायतों का नज़दीकी पुलिस प्रतिष्ठानों में निवारण करा सकें।

दक्षिण अण्डमान ज़िला पुलिस ने पुलिस एवं जनता के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा देने, जनता का विश्वास बढ़ाने तथा पुलिस सेवाओं को अधिक सुलभ, उत्तरदायी एवं नागरिक–केंद्रित बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

दक्षिण अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में आम जनता से अपील की गई है कि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस से त्वरित सहायता एवं शीघ्र कार्रवाई प्राप्त करने के लिए तुरंत 112 (टोल–फ्री पुलिस आपातकालीन हेल्पलाइन) पर संपर्क करें। यह सेवा चौबीसों घंटे उपलब्ध है, ताकि समय पर सहायता सुनिश्चित की जा सके और आम जनता की सुरक्षा बनी रहे।

एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर युवाओं ने किया लोकतांत्रिक विचार–विमर्श, माई भारत ने प्रदान किया मंच

90 से अधिक युवाओं ने कराया पंजीकरण, 37 प्रतिभागियों ने रखे अपने विचार, शीर्ष 10 प्रतिभागियों की मेरिट सूची घोषित





श्री विजयपुरम, 7 नवंबर।

युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माई भारत), अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह द्वारा विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) 2027 पहल के तहत 5 नवंबर, 2026 को यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय–जेएनआरएम के व्याख्यान कक्ष में ज़िला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद (वीबीवाईपी) 2027 का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के समाज कल्याण निदेशक एवं दानिक्स अधिकारी श्री मोहित मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। चिन्मय मिशन के सचिव स्वामी शुद्धानंद सरस्वती सम्मानित अतिथि तथा विश्व मानवाधिकार संघ, अण्डमान तथा निकोबार के अध्यक्ष श्री संजय कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने युवाओं को लोकतांत्रिक विचार–विमर्श में भाग लेने के लिए मंच प्रदान करने की माई भारत की पहल की सराहना की। उन्होंने युवाओं को संवैधानिक मूल्यों को समझने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत@2047 के संकल्प में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भी प्रतिभागियों को लोकतांत्रिक मूल्यों और ज़िम्मेदार नागरिकता के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

माई भारत के संयुक्त निदेशक श्री सुख रंजन बिस्वास ने उपस्थित लोगों को वीबीवाईएलडी 2027 के उद्देश्यों एवं दिशा–निर्देशों की जानकारी दी तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में युवाओं की भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला।इससे पूर्व, माई भारत के ज़िला युवा अधिकारी श्री दीपक कुमार ने गणमान्य अतिथियों, निर्णायक मंडल के सदस्यों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम के लिए 90 से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 37 प्रतिभागियों ने "एक राष्ट्र, एक चुनाव" विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रत्येक प्रतिभागी को अपने विचार रखने के लिए तीन मिनट का समय दिया गया। प्रतिभागियों के वक्तव्यों में चुनाव सुधार, लोकतांत्रिक जवाबदेही, प्रशासनिक दक्षता, चुनावी व्यय तथा संवैधानिक पहलुओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। इसके साथ ही अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की भौगोलिक एवं प्रशासनिक परिस्थितियों के संदर्भ में इस विषय की प्रासंगिकता पर भी विचार व्यक्त किए गए।

शेष पृष्ठ 4 पर

द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र की तटीय एवं समुद्री जैव विविधता पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

श्री विजयपुरम, 7 नवंबर।

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ज़ेडएसआई), अण्डमान तथा निकोबार क्षेत्रीय केंद्र द्वारा 'द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र की तटीय एवं समुद्री जैव विविधता' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन आज ज़ेडएसआई परिसर में आयोजित समापन समारोह के साथ हुआ। भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 'पर्यावरण ज्ञान एवं क्षमता निर्माण' पहल के अंतर्गत प्रायोजित यह कार्यशाला 5 से 7 नवंबर, 2026 तक अन्य सेवाओं के कार्मिकों (वर्ग–II एवं III) के लिए आयोजित की गई थी।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) पी.वी. नागेंद्र सरमा, प्राचार्य, अण्डमान विधि महाविद्यालय ने इस बात पर बल दिया कि जैव विविधता का संरक्षण एक साझा ज़िम्मेदारी है, जिसके लिए सरकारी विभागों, वैज्ञानिक संस्थानों तथा स्थानीय समुदायों के बीच समन्वित, सामूहिक एवं समग्र प्रयासों की आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए डॉ. एस. दिनेश कन्नन, मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), पर्यावरण एवं वन विभाग ने समुद्री जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधनों को खतरे में डालने वाली अवैध गतिविधियों की पहचान करने, उन्हें रोकने तथा उनकी सूचना देने में विभिन्न सेवाओं के कार्मिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

अपने संक्षिप्त संबोधन में डॉ. सी. शिवपेरुमान, वैज्ञानिक–एफ, प्रभारी अधिकारी एवं पाठ्यक्रम निदेशक, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण/अण्डमान तथा निकोबार क्षेत्रीय केंद्र ने इस बात पर ज़ोर दिया कि द्वीपों के विशिष्ट स्थलीय, तटीय एवं समुद्री पारिस्थितिकी तंत्रों के संरक्षण के लिए

शेष पृष्ठ 4 पर

स्वराज द्वीप एवं शहीद द्वीप में अंतर्देशीय जलयानों का सर्वेक्षण करेंगे पत्तन प्रबंध बोर्ड के अधिकारी

श्री विजयपुरम, 7 नवंबर।

पत्तन प्रबंध बोर्ड (पीएमबी), श्री विजयपुरम के हार्बर मास्टर/अंतर्देशीय पोतों के मुख्य सर्वेक्षक 14 एवं 15 नवंबर, 2026 को स्वराज द्वीप एवं शहीद द्वीप का दौरा करेंगे। इस दौरान अंतर्देशीय नौकाओं का सर्वेक्षण एवं निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरे का उद्देश्य निर्धारित सुरक्षा एवं वैधानिक आवश्यकताओं के अनुपालन की जाँच करना है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार स्वराज द्वीप एवं शहीद द्वीप में संचालित सभी अंतर्देशीय नौकाओं के मालिकों/संचालकों से अनुरोध किया गया है कि वे दौरे के दौरान सर्वेक्षण के लिए अपनी–अपनी नौकाएँ तैयार रखें। वे सर्वेक्षण से संबंधित किसी भी समस्या, शंका अथवा कठिनाई के संबंध में अधिकारियों से चर्चा भी कर सकते हैं।

त्योहारी मौसम में श्री विजयपुरम एवं लिटिल अण्डमान के बीच अतिरिक्त जलयान सेवाओं की व्यवस्था

श्री विजयपुरम, 7 नवंबर।

त्योहारी मौसम के दौरान यात्रियों की बढ़ती आवाजाही की आवश्यकता को पूरा करने के लिए जहाज़रानी सेवा निदेशालय ने श्री विजयपुरम एवं लिटिल अण्डमान के बीच एमवी सेंटिनल जहाज़ का प्रबंध किया है, जो 9 नवंबर को प्रातः 6.30 बजे श्री विजयपुरम से लिटिल अण्डमान के लिए रवाना होगा। यह पोत उसी दिन 9 नवंबर को रात्रि 8 बजे लिटिल अण्डमान से वापस श्री विजयपुरम के लिए प्रस्थान करेगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उक्त नौका सेवा के लिए यात्रियों के टिकट 8 नवम्बर, 2026 (रविवार) को प्रातः 9 बजे से जहाज़रानी सेवा निदेशालय के ई–टिकटिंग पोर्टल **https://dss.andamannicobar.gov.in/eticketing** के माध्यम से ऑनलाइन बुक किए जा सकेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए ई–टिकटिंग पोर्टल तक सीधे पहुँचने हेतु क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे टिकट बुक करना आसान होगा।

साई एसटीसी में रोइंग, कयाकिंग एवं कैनोइंग तथा फुटबॉल (बालिका वर्ग) में आवासीय खिलाड़ियों के चयन हेतु चयन परीक्षण 15 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 7 नवम्बर।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), एसटीसी, श्री विजयपुरम द्वारा केंद्र में रिक्त पदों को भरने के लिए रोइंग (बालिका वर्ग–न्यूनतम ऊंचाई 160 सेमी एवं बालक वर्ग–न्यूनतम ऊंचाई 170 सेमी), कयाकिंग एवं कैनोइंग तथा फुटबॉल (बालिका वर्ग) में आवासीय खिलाड़ियों के चयन हेतु चयन परीक्षण आयोजित किया जाएगा। इस चयन परीक्षण में 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाएं भाग लेने के पात्र हैं। चयन परीक्षण 15 नवंबर, 2026 (रविवार) को प्रातः 9 बजे नेताजी स्टेडियम, साई एसटीसी, श्री विजयपुरम में आयोजित किया जाएगा।

इस चयन परीक्षण का उद्देश्य प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों की पहचान करना तथा उन्हें साई की आवासीय योजना के अंतर्गत व्यावसायिक खेल प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना है।आवासीय योजना के अंतर्गत चयनित खिलाड़ियों को साई के निर्धारित मानदंडों के अनुसार निःशुल्क आवास एवं भोजन, खेल किट, प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर, शिक्षा संबंधी व्यय तथा चिकित्सा बीमा की सुविधा प्रदान की जाती है।

चयन परीक्षण में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को निम्नलिखित दस्तावेज़ों की मूल प्रतियों के साथ सभी दस्तावेज़ों की एक–एक छायाप्रति लाना अनिवार्य है।

1. मूल जन्म प्रमाण–पत्र।
2. आधार कार्ड।
3. खेल प्रमाण–पत्र। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले तथा प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी।
4. पासपोर्ट आकार के चार फोटो।
5. चिकित्सा स्वस्थता प्रमाण–पत्र।

चयन परीक्षण के संबंध में अधिक जानकारी अथवा पूछताछ के लिए इच्छुक अभ्यर्थी श्री मोहम्मद सादिक, केंद्र प्रभारी एवं फुटबॉल प्रशिक्षक–9531879321,श्री जेनिल कृष्णन, रोइंग प्रशिक्षक (अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित)– 9441188645, श्री जस्टिन जे. थॉमस, सहायक प्रशिक्षक (रोइंग)– 9440533793 तथा श्री कर्मा टोप्पो, सहायक प्रशिक्षक (कयाकिंग एवं कैनोइंग)– 9531956474, 6297596680 के माध्यमों से अथवा **saiandaman88@gmail.com,** इंस्टाग्राम आईडी **@sai.andaman;k** साई एसटीसी, श्री विजयपुरम से संपर्क कर सकते हैं।

जेएनआरएम में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए महाविद्यालय छात्र परिषद का चुनाव संपन्न





श्री विजयपुरम, 7 नवंबर।

श्री विजयपुरम स्थित जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) में आज, 7 नवंबर, 2026 को महाविद्यालय परिसर में छात्र परिषद के पदाधिकारियों के निर्वाचन हेतु आम चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात् शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए महाविद्यालय छात्र परिषद के विभिन्न पदों पर निम्नलिखित विद्यार्थियों को निर्वाचित घोषित किया गया है:–

क्र.सं.	पद	निर्वाचित विद्यार्थी का नाम
1.	अध्यक्ष	श्री संजय मणि
2.	उपाध्यक्ष (महिला)	सुश्री प्रिया बेरा
3.	महासचिव	श्री रितेश दास
4.	संयुक्त सचिव–महाविद्यालय पत्रिका (विद्यार्थी संपादक)	सुश्री वी. भव्या
5.	संयुक्त सचिव–सांस्कृतिक गतिविधियाँ	श्री प्रीतम मिस्त्री
6.	संयुक्त सचिव–खेलकूद	सुश्री नंदिता बिस्वास
7.	कोषाध्यक्ष	श्री जोएल वी. माल
8.	कार्यकारिणी सदस्य	सुश्री शिवा श्रवणी बेरा
9.	कार्यकारिणी सदस्य (महिला)	सुश्री मौमिता खातून

यहाँ प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नवनिर्वाचित प्रतिनिधि विद्यार्थी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने, शैक्षणिक एवं पाठ्येतर गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी को बढ़ावा देने तथा नेतृत्व क्षमता, सामूहिक कार्य भावना और महाविद्यालय परिसर में जीवंत एवं सकारात्मक वातावरण को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र की तटीय ——————————पृष्ठ 1 का शेष

वैज्ञानिक संस्थानों, संरक्षण एजेंसियों, प्रशासनिक विभागों तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी से समन्वित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार विभिन्न सरकारी विभागों, संस्थानों एवं संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 30 प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के सफल समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण–पत्र वितरित किए गए।

90 से अधिक युवाओं ने कराया पंजीकरण ——————————पृष्ठ 1 का शेष

प्रतियोगिता का मूल्यांकन छह सदस्यीय प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। इसमें सेवानिवृत्त सहायक निदेशक डॉ. रशीदा इक़बाल, सेवानिवृत्त दानिक्स अधिकारी श्री गोविंद राम, सेवानिवृत्त प्राध्यापक श्रीमती आर. रेनू बाला, लायंस क्लब के श्री एस. पी. सुरेश, बीएसएनएल के सहायक महाप्रबंधक श्री प्रकाश खुले तथा सेवानिवृत्त मीडिया कर्मी श्री रामेश्वर लाल शामिल थे। सभी प्रतिभागियों का निर्धारित मूल्यांकन मानदंडों के आधार पर निष्पक्ष एवं योग्यता के अनुरूप आकलन किया गया।

मूल्यांकन के उपरांत शीर्ष 10 प्रतिभागियों की मेरिट सूची घोषित की गई। राज्य स्तरीय युवा संसद में आगे की भागीदारी वीबीवाईएलडी 2027 के निर्धारित दिशा–निर्देशों एवं चयन प्रक्रिया के अनुसार होगी।कार्यक्रम का समन्वय माई भारत के लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक (एपीएस) श्री गोपाल चंद्र बिस्वास ने किया। इस कार्य में टीजीसीई के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनील सैनी तथा वीबीवाईएलडी 2026 की राष्ट्रीय स्तर की प्रतिभागी सुश्री दिशा सिंह ने सहयोग प्रदान किया। अंत में श्री गोपाल चंद्र बिस्वास ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस कार्यक्रम ने सूचित, आत्मविश्वासी एवं ज़िम्मेदार युवा नागरिकों को तैयार करने तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के प्रति माई भारत की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण केन्द्र में पॉश अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम संचालित

श्री विजयपुरम, 7 नवम्बर।



भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, अण्डमान तथा निकोबार क्षेत्रीय केन्द्र, श्री विजयपुरम द्वारा 3 नवंबर, 2026 को कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेधा एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पॉश अधिनियम) के प्रावधानों के संबंध में जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी, मास्टर ट्रेनर एवं पॉशअधिनियम की परामर्शदाता श्रीमती रुबीना सिद्दीक़ी ने क्षेत्रीय केन्द्र का दौरा किया तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिनियम के विभिन्न कानूनी प्रावधानों एवं संस्थागत दायित्वों के प्रति जागरूक किया।

यह कार्यक्रम क्षेत्रीय केन्द्र के कार्यालयाध्यक्ष श्री सात्यकी पाल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यालयाध्यक्ष द्वारा संसाधन व्यक्ति श्रीमती रुबीना सिद्दीक़ी के संक्षिप्त परिचय के साथ हुआ। तत्पश्चात एक संवादात्मक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें पॉशअधिनियम, 2013 के उद्देश्य, कार्यक्षेत्र तथा प्रमुख प्रावधानों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

सत्र के दौरान श्रीमती सिद्दीक़ी ने कार्यस्थल पर उचित एवं अनुचित व्यवहार, लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया, अधिनियम के कानूनी एवं तकनीकी पहलुओं तथा कर्मचारियों की ज़िम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। संवादात्मक सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी जिज्ञासाओं के समाधान का अवसर भी प्राप्त हुआ। विशेष रूप से कार्यस्थल पर पारस्परिक सम्मान, लैंगिक संवेदनशीलता, गरिमा एवं व्यावसायिक उत्तरदायित्व की संस्कृति विकसित करने पर बल दिया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में इस बात पर विशेष ज़ोर दिया गया कि कार्यस्थल को सुरक्षित, समावेशी एवं सम्मानजनक बनाए रखना सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सामूहिक ज़िम्मेदारी है।कार्यक्रम के समापन पर सुश्री सृष्टि चट्टखंडी, अनुसंधान सहयोगी (सांस्कृतिक) ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा संसाधन व्यक्ति द्वारा अपने बहुमूल्य ज्ञान एवं अनुभव साझा करने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में, क्षेत्रीय केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पॉश अधिनियम, 2013 के सिद्धांतों एवं प्रावधानों का निष्ठापूर्वक पालन करने तथा सुरक्षित, समावेशी एवं गरिमापूर्ण कार्यस्थल के निर्माण में योगदान देने की सामूहिक शपथ ली।

कैंसर की 137 दवाएं सस्ती, 9 नवंबर से लागू होगी संशोधित कीमतः सरकार

नई दिल्ली, 7 नवम्बर।



सरकार ने कहा है कि कैंसर की 137 दवाओं की संशोधित कीमतें 9 नवंबर से लागू हो जाएंगी। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने हाल ही में इन दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर व्यापार लाभ की सीमा तय की है। इससे इन दवाओं की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है।

एनएचए ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की समीक्षा की

नई दिल्ली, 7 नवम्बर।



राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की प्रगति की समीक्षा की है। इस संबंध में कोलकाता में दो दिवसीय राष्ट्रीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल ने कहा कि अब केवल लाभार्थियों की संख्या बढ़ाना ही नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर इलाज उपलब्ध कराना भी जरूरी है। वहीं, पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि राज्य में करीब चार करोड़ 20 लाख लोगों का पंजीकरण हुआ है और दो लाख 20 हजार लोगों को योजना के तहत इलाज मिला है। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

खेलो इंडिया युवा खेल–2026 में वाइल्ड कार्ड प्रवेश के लिए पात्र खिलाड़ियों से आवेदन आमंत्रित

श्री विजयपुरम, 7 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के खेल एवं युवा कार्य निदेशालय ने तेलंगाना में 11 से 22 दिसंबर तक आयोजित होने वाले खेलो इंडिया युवा खेल (केआईवाईजी)–2026 में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करने हेतु वाइल्ड कार्ड प्रवेश के लिए 18 वर्ष से कम आयु (यू–18) के इच्छुक एवं पात्र बालक–बालिकाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसके लिए निम्नलिखित खेल विधाओं में आवेदन किए जा सकते हैं :

1. तीरंदाजी, 2. एथलेटिक्स, 3. बैडमिंटन, 4. मुक्केबाजी, 5. साइकिलिंग, 6. जिम्नास्टिक, 7. जूडो, 8. निशानेबाजी, 9. तैराकी 10. टेबल टेनिस, 11. टेनिस, 12. थांग–ता, 13. भारोत्तोलन, 14. कुश्ती, 15. योगासन।

भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय से प्राप्त आधिकारिक निर्देशों के अनुसार, राज्य/केंद्रशासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए खिलाड़ियों का चयन वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 के दौरान आयोजित मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य एवं ज़िला स्तरीय प्रतियोगिताओं में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

यह उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया युवा खेल–2026 की निर्धारित चयन प्रक्रिया के अनुसार, निदेशालय को प्राप्त आवेदनों में से सर्वश्रेष्ठ दो बालकों एवं दो बालिकाओं के नाम वाइल्ड कार्ड मूल्यांकन समिति (डब्ल्यूसीईसी), खेलो इंडिया युवा खेल–2026 के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। समिति द्वारा अनुशंसित खिलाड़ियों के नाम इसके बाद खेलो इंडिया युवा खेल–2026 में भागीदारी के लिए नामांकित किए जाएंगे। इस संबंध में सभी पात्र खिलाड़ियों की जानकारी के लिए चयनित नामों की सूचना प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से विधिवत प्रकाशित की जाएगी।

पात्रता संबंधी मानदंड :

1. खेलो इंडिया युवा खेल–2026 में भाग लेने के लिए खिलाड़ी का जन्म 1 जनवरी, 2009 को या उसके बाद होना अनिवार्य है। अर्थात खिलाड़ी की आयु 18 वर्ष से कम होनी चाहिए।
2. खिलाड़ी की आयु के सत्यापन के लिए निम्नलिखित दस्तावेज़ों में से कोई दो दस्तावेज़ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा :
   (क) आधार कार्ड अथवा पासपोर्ट
   (ख) मैट्रिक प्रमाण–पत्र
   (ग) जन्म प्रमाण–पत्र (नगरपालिका/ग्राम पंचायत द्वारा कम से कम पांच वर्ष पूर्व अर्थात 1 जनवरी, 2021 को या उससे पहले जारी किया गया हो)।
3. किसी राज्य का प्रतिनिधित्व करने की पात्रता के लिए निम्नलिखित में से कोई एक दस्तावेज़ प्रस्तुत करना आवश्यक होगा :
   (क) राज्य का अधिवास प्रमाण–पत्र
   (ख) पासपोर्ट
   (ग) पदस्थापन/कार्यस्थल/विद्यालय का वास्तविक प्रमाण–पत्र।

इच्छुक एवं पात्र खिलाड़ी अपने आवेदन संबंधित क्षेत्र के सहायक पर्यवेक्षक (खेल) के पास 10 नवंबर, 2026 तक जमा कर सकते हैं। आवेदन निर्धारित प्रारूप (अनुलग्नक–क) में पूर्ण रूप से भरा हुआ तथा आवेदक के हस्ताक्षर सहित होना चाहिए। इसके साथ वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 के दौरान आयोजित मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य/केंद्रशासित प्रदेश एवं ज़िला स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्राप्त खेल उपलब्धियों के स्वप्रमाणित दस्तावेज़ संलग्न करना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुसार उम्मीदवारी के समर्थन में सभी संबंधित दस्तावेज़ों की स्वप्रमाणित प्रतियां भी जमा करनी होंगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार निर्धारित आवेदन प्रारूप (अनुलग्नक–क) खेल विभाग के पोर्टल पर जाकर **sports.andamannicobar.gov.in** तथा अण्डमान तथा निकोबार केंद्रशासित प्रदेश के पोर्टल **https://andamannicobar.gov.in** पर उपलब्ध है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

'अल नीनो' से प्रभावित 225 जिलों के लिए केंद्र की विशेष योजना, रबी बुवाई में मदद करेगा नया कृषि डैशबोड



नई दिल्ली, 7 नवम्बर। केंद्र सरकार ने 'अल नीनो' मौसम प्रणाली के चलते इस वर्ष अनियमित मानसून से प्रभावित देशभर के 225 जिलों में मौजूदा रबी सीजन में बुवाई को सुगम बनाने के लिए आपातकालीन योजना तैयार की है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक एमएल जाट ने पत्रकारों से कहा, "हम एक गतिशील डैशबोर्ड विकसित करके आकस्मिक योजना को एक नए स्तर पर ले जा रहे हैं। यह डैशबोर्ड भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के साप्ताहिक पूर्वानुमानों, जल निकायों से संबंधित आंकड़ों और अन्य प्रासंगिक जानकारियों को एकीकृत करेगा, जिससे अधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लेने में मदद मिलेगी।" उन्होंने आगे कहा कि प्रस्तावित डैशबोर्ड उपयोगकर्ताओं को जिला स्तर पर जानकारी प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करेगा। आईसीएआर प्रमुख ने कहा कि जिस जिले को पहले सूखाग्रस्त श्रेणी में रखा गया था, आने वाले दिनों में पर्याप्त बारिश होने पर वह इस श्रेणी से बाहर निकल सकता है। इसलिए, आईएमडी के ताजा पूर्वानुमानों और बारिश के आंकड़ों का उपयोग करके आकलन को संशोधित किया जाना चाहिए, जिनमें अगले 15 दिनों के अनुमान भी शामिल हैं।

30 अक्टूबर तक लगभग 38 लाख हेक्टेयर में रबी की फसलें (जिनमें गेहूं भी शामिल है) बोई जा चुकी हैं, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत कम है। हालांकि, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह गेहूं उत्पादक क्षेत्र में बेमौसम बारिश के कारण भी है, जिसके चलते बुवाई में देरी हुई है और अब इसमें तेजी आने की उम्मीद है।

आईसीएआर प्रमुख ने कहा कि नया डैशबोर्ड केवल आपातकालीन योजना के लिए चिन्हित 225 जिलों तक सीमित न रहकर पूरे देश को कवर करेगा। उन्होंने कहा कि यह प्लेटफॉर्म केवल आपातकालीन योजना तक ही सीमित नहीं रहेगा। यह सामान्य कृषि परिस्थितियों के लिए भी सलाह प्रदान करेगा, जिससे किसानों और अधिकारियों को विभिन्न परिस्थितियों में उचित कार्रवाई तय करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि आईसीएआर का अंतिम उद्देश्य इस डैशबोर्ड को एग्रीस्टैक पहल के साथ एकीकृत करना है ताकि विभिन्न कृषि स्रोतों से प्राप्त जानकारी को एक साथ लाया जा सके।

महानिदेशक एमएल जाट ने बताया कि आईसीएआर ने धान की कटाई के बाद खाली पड़ी जमीनों में तिलहन और दलहन की खेती बढ़ाने के अवसरों का अध्ययन करने के लिए एक कार्य बल का गठन किया है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में फसल विविधता की अपार संभावनाएं हैं। जाट ने कहा, "जिन स्थानों पर गेहूं के लिए मिट्टी में नमी अपर्याप्त है, वहां किसान उपयुक्त तिलहन और दलहन की फसलें उगाने पर विचार कर सकते हैं।"

उन्होंने कहा कि किसानों को पोषक तत्वों की कमी के आधार पर उर्वरकों के कुशल उपयोग की योजना बनाने में सक्षम बनाने के लिए अगले दो से चार महीनों में एक अलग मृदा स्वास्थ्य नीति शुरू किए जाने की उम्मीद है। (इनपुट–आईएएनएस)

अवरोधों के पार टेराहर्ट्ज तरंगों को गुजारने वाली नई सिलिकॉन चिप, भविष्य के 6जी नेटवर्क के विकास में हो सकती है सहायक

नई नई दिल्ली, 7 नवम्बर। एक नई सिलिकॉन चिप, जो टेराहर्ट्ज तरंगों को एक विशेष रूप से निर्मित अवरोध के पार बहुत कम नुकसान के साथ गुजरने देती है और 100 गीगाबिट प्रति सेकंड की गति से डेटा संचारित करती है। भविष्य की 6जी संचार प्रौद्योगिकियों के लिए कॉम्पैक्ट टेराहर्ट्ज सर्किट के विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

भविष्य की छठी पीढ़ी (6जी) के वायरलेस नेटवर्क में टेराहर्ट्ज आवृत्तियों के उपयोग की अपेक्षा है। ये आवृत्तियां माइक्रोवेव और इन्फ्रारेड प्रकाश के बीच स्थित होती हैं तथा व्यापक बैंडविड्थ प्रदान करती हैं। हालांकि इन तरंगों को छोटे सर्किटों के भीतर निर्देशित करना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि वेवगाइड में मोड़, जोड़ और अचानक होने वाले संरचनात्मक बदलाव सिग्नल के कुछ हिस्से को बिखेर या परावर्तित कर सकते हैं। इससे आगे बढ़ते समय सिग्नल कमजोर हो जाता है।

सिलिकॉन की एक पतली परत में त्रिकोणीय छिद्रों को सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए पैटर्न में व्यवस्थित करके शोधकर्ता एक फोटोनिक क्रिस्टल बना सकते हैं। यह दो क्षेत्रों के बीच की सीमा के साथ टेराहर्ट्ज तरंगों को निर्देशित करता है। ऐसे सीमा–चैनल कुछ प्रकार के बैकस्कैटरिंग (तरंगों के पीछे की ओर बिखरने) का प्रतिरोध करते हैं। हालांकि एक व्यावहारिक सर्किट को जानबूझकर बनाए गए अवरोधों और संरचनात्मक बदलावों को भी सहन करने में सक्षम होना चाहिए।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र – जे एन सी ए एस आर के शोधकर्ताओं ने टोपोलॉजिकल फोटोनिक्स के माध्यम से इस चुनौती का समाधान खोजा और एक विशेष रूप से निर्मित अवरोध के पार 100 गीगाबिट प्रति सेकंड तक की गति से डेटा संचारित करने का प्रदर्शन किया। एक अवरोध जोड़ने से केवल लगभग 1–2 प्रतिशत सिग्नल हानि हुई, जबकि क्रम में दो अवरोध जोड़ने से लगभग 2–3 प्रतिशत हानि हुई। इसके विपरीत एक पारंपरिक गैर–टोपोलॉजिकल वेवगाइड में समान अवरोध संचरण को काफी हद तक कम कर देता है।

टीम ने एक सिलिकॉन फोटोनिक क्रिस्टल डिजाइन किया। इसकी संरचना ग्राफीन की मधुमक्खी के छत्ते जैसी जालक संरचना की नकल करती है। वेवगाइड के एक छोटे हिस्से में त्रिकोणीय छिद्रों के आकार को बदलकर एक अवरोध बनाया गया।

जब तक अवरोध की तीव्रता क्रिस्टल की एक विशिष्ट युग्मन क्षमता (कपलिंग स्ट्रेंथ) से नीचे रही, तब तक संचरण अवरोध–मुक्त स्थिति के लगभग बराबर बना रहा। चूंकि अवरोध का निर्धारण छिद्रों की ज्यामिति से होता है। इसलिए यह ऐसे उपकरणों के डिजाइन के लिए एक व्यावहारिक नियम प्रदान करता है।

शोधकर्ताओं ने उच्च प्रतिरोधकता वाले सिलिकॉन पर निर्मित तीन उपकरणों में इस अवधारणा का परीक्षण किया। यह सामग्री पहले से स्थापित सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्रक्रियाओं के अनुकूल है। इन उपकरणों में शामिल थे , एक उपकरण, जिसमें क्रम से दो अवरोध बनाए गए थे। एक ओमेगा (ϖ) आकार का मार्ग, जिसमें चार तीखे मोड़ और बीच में एक अवरोध था। एक पावर स्प्लिटर, जिसकी दो शाखाओं में से एक में अवरोध था।

310–360 गीगाहर्ट्ज़ की आवृत्ति सीमा में किए गए माप सिमुलेशन के परिणामों से काफी हद तक मेल खाते थे। स्प्लिटर में दोनों आउटपुट सिग्नल लगभग समान थे। इससे पता चला कि अवरोध का संचरण पर बहुत कम प्रभाव पड़ा।

जे एन सी ए एस आर की मेटा ऑप्टिक्स प्रयोगशाला में शोध दल निर्मित सिलिकॉन चिप के साथ। इसका उपयोग फोटोनिक क्लाइन टनलिंग का प्रदर्शन करने के लिए किया गया

इस अध्ययन का नेतृत्व जे एन सी ए एस आर के सहायक प्रोफेसर डॉ. अभिषेक कुमार ने किया। वे यहां मेटा ऑप्टिक्स प्रयोगशाला के प्रमुख हैं। जे एन सी ए एस आर की समीना मुल्ला और संग्राम कुमार साधु इस अध्ययन के संयुक्त प्रथम लेखक हैं। इस शोध में सहयोग करने वालों में जे एन सी ए एस आर के आसिफ इकबाल एम. और एन. एस. विद्याराज; आईआइएसईआर कोलकाता के सिद्धार्थ लाल; आईआइटी बॉम्बे के अंशुमान कुमार; इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स,ए'स्टार, सिंगापुर के झोंगहुआ गु और प्रकाश पिचम्पा; तथा यूनिवर्सिटी ऑफ लिले और सीएनआरएस फ्रांस के पास्कल शिटिग्जर और गिलौम डुकुर्नो शामिल थे।

डॉ. अभिषेक कुमार ने कहा, "यह प्रदर्शित करना कि टेराहर्ट्ज तरंगें केवल छिद्रों की ज्यामिति में बदलाव करके बनाए गए अवरोध को पार कर सकती हैं और साथ ही 100 गीगाबिट प्रति सेकंड की गति से डेटा ले जा सकती हैं, यह संकेत देता है कि यह प्रभाव टेराहर्ट्ज चिपों के लिए एक उपयोगी डिजाइन उपकरण बन सकता है।"

इस शोध के परिणाम शोधकर्ताओं को कम हानि वाले ऐसे टेराहर्ट्ज सर्किट विकसित करने में मदद कर सकते हैं, जो एक ही चिप पर सिग्नलों को अलग–अलग मार्गों से भेजने और विभाजित करने में सक्षम हों। टीम की अगली योजना अवरोधों को विद्युत, तापीय या यांत्रिक तरीके से नियंत्रित करने की है। इससे ऐसे उपकरण विकसित किए जा सकते हैं, जो आवश्यकता के अनुसार सिग्नलों को अलग–अलग मार्गों की ओर मोड़ सकें। यह शोध एडवांस्ड मैटेरियल्स पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

चित्र 1. सिलिकॉन वैली फोटोनिक क्रिस्टल चिप में फोटोनिक क्लाइन टनलिंग का कलात्मक चित्रण। उच्च गति का डेटा ले जाने वाला टेराहर्ट्ज सिग्नल विशेष रूप से निर्मित अवरोध (नीले रंग में) को बिना किसी महत्वपूर्ण हानि के पार करता है। इससे 6 जी संचार के लिए 100 गीगाबिट प्रति सेकंड डेटा संचरण को समर्थन मिलता है

उच्च गति डेटा परीक्षणों में, दोहरे–अवरोध वाले और ओमेगा–आकार वाले उपकरणों ने क्रमशः 48 और 60 गीगाबिट प्रति सेकंड की गति से डेटा संचारित किया। स्प्लिटर ने क्यूएएम–32 मॉड्यूलेशन का उपयोग करते हुए 100 गीगाबिट प्रति सेकंड की गति को समर्थन दिया। यह तकनीक सिग्नल के आयाम और चरण को एन्कोड करके सूचना का संचार करती है। इस गति से 5 गीगाबाइट की एक हाई–डेफिनिशन फिल्म को सैद्धांतिक रूप से आधे सेकंड से भी कम समय में स्थानांतरित किया जा सकता है।

भारत को एआई आधारित अनुप्रयोगों का वैश्विक केंद्र बनाने पर ध्यानः केंद्रीय मंत्री



नई दिल्ली, 7 नवम्बर। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि भारत का लक्ष्य एआई आधारित अनुप्रयोगों के विकास और इस्तेमाल का वैश्विक केंद्र बनना है। वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को भारी गिरावट आई। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत के बाद एआई से जुड़े नियम सख्त होने की आशंका है। इससे इस क्षेत्र में निवेश की गति धीमी पड़ने की आशंका के कारण शेयरों में गिरावट आई।

वैश्विक बाजारों में एआई कंपनियों के शेयरों में गिरावट और इससे भारत को मिलने वाले संभावित अवसरों के बारे में पूछे जाने पर वैष्णव ने कहा कि एआई उद्योग में तेजी से बदलाव हो रहे हैं और इस समय काफी अनिश्चितता है। उन्होंने कहा, "एआई उद्योग में काफी उथल–पुथल है और इसमें बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ऐसे माहौल में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।"

मंत्री ने कहा कि भारत का ध्यान विभिन्न क्षेत्रों में एआई के इस्तेमाल और ऐसे अनुप्रयोग विकसित करने पर है, जो बड़े पैमाने पर बदलाव ला सकें। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, "हम भारत को एआई आधारित अनुप्रयोगों के विकास और इस्तेमाल का वैश्विक केंद्र बनाने पर पूरा ध्यान दे रहे हैं।" उन्होंने कहा कि कंपनियों में एआई मॉडल के इस्तेमाल से कृषि, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाने की क्षमता है। भारतीय उद्योग इन अनुप्रयोगों पर विशेष जोर दे रहा है और इस दिशा में अच्छी प्रगति कर रहा है।

खबरों और रोचक जानकारियों के लिए पढ़िए
'द्वीप समाचार'

वायुसेना के आईएल–76 परिवहन विमान ने लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर उतरकर रिकॉर्ड बनाया



नई दिल्ली, 7 नवम्बर। रूसी मूल का भारतीय वायुसेना का एक परिवहन विमान लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर सफलतापूर्वक उतरा, जिसके साथ ही उसने दुनिया में अब तक की सबसे अधिक ऊंचाई पर उतरने का रिकॉर्ड बनाया है। यह एयरबेस समुद्र तल से करीब 13,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित है और चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से इसकी दूरी करीब 25 किलोमीटर है। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "भारतीय वायुसेना के आईएल–76एमडी विमान ने न्योमा में सफलतापूर्वक उतरकर इतिहास रच दिया है। यह दुनिया में इस विमान की अब तक की सबसे अधिक ऊंचाई पर की गई लैंडिंग है।" वायुसेना ने कहा, "यह विमान की लंबे समय से बरकरार क्षमता का शानदार प्रदर्शन है। इसके साथ ही चालक दल के असाधारण कौशल, सटीकता और पेशेवर दक्षता का भी परिचय मिलता है।"वायुसेना ने इस लैंडिंग को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे भारत की रणनीतिक हवाई परिवहन क्षमता और मजबूत होगी।(भाषा)

INTEGRATED REHABILITATION CENTRE FOR ADDICTS
OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER
N & M ANDAMAN DISTRICT
MAYABUNDER

INTERVIEW NOTICE
F.No.1-18(IRCAs)/N&MA)/Recrt./2026/75
Date: 05-11-2026

A Personal Interview for various posts under the Integrated Rehabilitation Centre for Addicts (IRCAs), North & Middle Andaman, will be conducted on 20.11.2026 at 09:00 AM onwards at the Office of the Deputy Commissioner, North & Middle Andaman District, Mayabunder.

All eligible candidates are directed to report at 09:00 AM on 20.11.2026 for verification of original documents and Trade Test (where applicable) at the Office of the Deputy Commissioner, North & Middle Andaman District, Mayabunder.

Candidates applying for the post requiring a Trade Test shall appear for the same on 20.11.2026. Marks will be awarded based on their performance in the Trade Test, followed by the Personal Interview on the same day.

The list of eligible/ineligible candidates has been uploaded on the official websites of the Administration, i.e., www.andaman.gov.in and https://northmiddle.andaman.nic.in/.

Contact No.: 03192-216565

Surface Mail:
Project Coordinator-cum-VC
Integrated Rehabilitation Centre for Addicts
Near Gram Panchayat, Pokkadera
the Deputy Commissioner
North & Middle Andama Mayabunder,
Pin: 744204, Ph: 03192-216565

sd/-
Assistant Commissioner (HQ),
North & Middle Andaman
Mayabunder

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, हट बे, लिटिल अण्डमान की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/जीईएन/2026–27/163

कार्य का नाम : लिटिल अण्डमान हट बे ग्राम पंचायत के अंर्तगत इंदिरा बाजार वार्ड नम्बर 07 में मौजूदा बस स्टैंड का नवीनीकरण।

अनुमानित लागत : रु. 6,88,639/–, धरोहर राशि : रु. 13,773/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 11/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट **https://eprocure.andamannicobar.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25696_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ और अन्य राज्यों के बीच कैदियों के तबादले की मंजूरी दी

नई दिल्ली, 7 नवम्बर।



केंद्र सरकार ने 'पंजाब पुलिस एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2006' को केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू कर दिया है, जिसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कैदियों के तबादले और जेल प्रशासन के कामकाज में बदलाव से जुड़े प्रावधान शामिल किए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना के अनुसार, 'पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966' की धारा 87 के तहत यह अधिसूचना जारी की गई है। इसके जरिए पंजाब के कानून को कुछ संशोधनों के साथ केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू किया गया है। इन संशोधित प्रावधानों में चंडीगढ़ और अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कैदियों के तबादले की व्यवस्था की गई है। इन प्रावधानों के तहत, चंडीगढ़ में सजा काट रहे कैदियों (जिनमें आजीवन कारावास की सजा पाने वाले भी शामिल हैं) को संबंधित सरकार की सहमति और चंडीगढ़ प्रशासक के आदेश से किसी दूसरे राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की जेल में भेजा जा सकता है।

संशोधनों में यह भी व्यवस्था है कि चंडीगढ़ की सुरक्षा, कानून–व्यवस्था बनाए रखने या जनहित के लिए विचाराधीन कैदियों को भी दूसरे राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में भेजा जा सकता है, बशर्ते उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की सरकार इसके लिए सहमत हो।अधिसूचना में कहा गया है, ''यदि कोई कैदी चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश की किसी जेल में कारावास या मृत्युदंड काट रहा है, या जुर्माना न भरने, शांति बनाए रखने के लिए मुचलका न देने या अच्छा आचरण न रखने के कारण जेल में बंद है, तो सरकार संबंधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की सरकार की सहमति से, आदेश जारी करके ऐसे कैदी को उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की जेल में भेज सकती है। इसी तरह, किसी दूसरे राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की जेल से किसी कैदी को चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश की जेल में भी भेजा जा सकता है।''

विचाराधीन कैदियों के मामले में, इन संशोधनों के तहत उनका तबादला चंडीगढ़ से किसी दूसरे राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में किया जा सकता है। इसके लिए संबंधित सरकारों की सहमति और उस अदालत की मंजूरी जरूरी होगी, जहां उनका मुकदमा चल रहा है।

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, सिप्पीघाट की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/107

कार्य का नाम : सिप्पीघाट ग्राम पंचायत के अंर्तगत सिप्पीघाट 02 में एम्ब्रोस के घर से अंगुस्वामी के घर तक सड़क की मरम्मत और रखरखाव (तीसरी कॉल)।

अनुमानित लागत : रु. 11,17,660/–, धरोहर राशि : रु. 22/353/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 13/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट **https://eprocure.andamannicobar.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_24477_3

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, वी.के. पुर, लिटिल अण्डमान की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2025–26/86

कार्य का नाम : लिटिल अण्डमान, वी.के. पुर, ग्राम पंचायत के अंर्तगत वी.के. पुर 08 में सोनातन समद्दार के घर से सुशांता दास के घर तक ब्लैक टॉप रोड का निर्माण कार्य (पुनः निविदा)।

अनुमानित लागत : रु. 28,18,843/–, धरोहर राशि : रु. 56,377/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 11/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट **https://eprocure.andamannicobar.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25728_1

कार्यापालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास, कहा– भारत के लिए खेलने का गर्व हमेशा रहेगा



नई दिल्ली, 7 नवम्बर।

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। शुक्रवार को शमी ने अपने इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें हमेशा भारत के लिए खेलने का गर्व रहेगा। शमी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, "मैं सफेद जर्सी तो छोड़ रहा हूं, लेकिन उससे जुड़ी यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी। जब मैंने पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब मेरा बस एक ही सपना था, अपने देश के लिए कुछ कर दिखाना। तब से लेकर अब तक, हर विकेट, हर संघर्ष, हर चोट और हर वापसी ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है।" 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, "मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट सिर्फ एक फॉर्मेट नहीं रहा, बल्कि यह मेरी जिंदगी का एक बेहद खास हिस्सा रहा है। आज, भारी मन और अनगिनत खूबसूरत यादों के साथ, मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर रहा हूं।"

"अपने सभी साथियों, कोच, परिवार के सदस्यों और उन करोड़ों भारतीयों का दिल से शुक्रिया, जो इस सफर में मेरे साथ खड़े रहे और अच्छे–बुरे हर वक्त में मुझ पर भरोसा बनाए रखा। बीसीसीआई और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (कैब) का भी दिल से शुक्रिया, जिन्होंने मेरी प्रतिभा पर विश्वास किया, मुझे आगे बढ़ने के मौके दिए और मेरे क्रिकेट सफर में अहम भूमिका निभाई। आपका समर्थन और भरोसा मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। भले ही मैदान पर मेरी आखिरी टेस्ट गेंद फेंकी जा चुकी हो, लेकिन भारत के लिए खेलने का गर्व हमेशा मेरे दिल में जिंदा रहेगा। शुक्रिया, टेस्ट क्रिकेट। आपका, शमी।"

मोहम्मद शमी को लंबे वक्त से टीम इंडिया में मौका नहीं मिल सका है। उन्होंने आखिरी बार मार्च 2025 में भारत के लिए क्रिकेट मैच खेला था। टेस्ट क्रिकेट की बात करें, तो शमी आखिरी बार जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर उतरे थे।

नवंबर 2013 में टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने टेस्ट करियर में कुल 64 मैच खेले, जिसमें 27.71 की औसत के साथ 229 विकेट निकाले। इस दौरान 6 बार पारी में पांच विकेट चटकाए। इसके अलावा, बल्ले से 750 रन बनाए, जिनमें 2 अर्धशतक भी शामिल रहे। मोहम्मद शमी भारत के लिए 108 वनडे मुकाबलों में 206 विकेट, जबकि 25 टी20 मैच में 27 विकेट हासिल कर चुके हैं।

भारतीय नौसेना को स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अमिनी' सौंपा गया



नई दिल्ली, 7 नवम्बर।

भारतीय नौसेना को पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता से लैस उथले पानी में संचालन करने वाले युद्धपोत (एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी) 'अमिनी' को 5 नवंबर 2026 को सौंप दिया गया। कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने इस युद्धपोत का स्वदेशी डिजाइन तैयार करने के साथ इसका निर्माण भी किया है। जीआरएसई द्वारा निर्मित इन युद्धपोतों को इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग (आईआरएस) के वर्गीकरण नियमों के अनुरूप डिजाइन और तैयार किया गया है। ये भारतीय नौसेना के उन सबसे बड़े युद्धपोतों में शामिल हैं, जिनमें वाटरजेट प्रणोदन प्रणाली का इस्तेमाल किया गया है। 'अमिनी' अत्याधुनिक हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर और सोनार प्रणाली से लैस है। ये उपकरण पानी के भीतर मौजूद खतरों का पता लगाने और उनसे प्रभावी ढंग से निपटने में मदद करेंगे। इस युद्धपोत से नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता, तटीय निगरानी और समुद्र में बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमता को मजबूती मिलेगी। इस युद्धपोत का नाम केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप के अमिनी द्वीप के नाम पर रखा गया है। यह पूर्ववर्ती आईएनएस अमिनी का नया स्वरूप भी है। पुराना आईएनएस अमिनी पेट्या–III श्रेणी का पनडुब्बी रोधी युद्धपोत था, जिसे वर्ष 2002 में नौसेना से सेवामुक्त कर दिया गया था। नए युद्धपोत के साथ नौसेना की विशिष्ट विरासत वाले नामों को आगे बढ़ाने की परंपरा भी जारी रहेगी।

'अमिनी' की सुपुर्दगी स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की दिशा में भारतीय नौसेना की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह केंद्र सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस युद्धपोत में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है, जो देश के घरेलू रक्षा विनिर्माण क्षेत्र की बढ़ती क्षमता और आयात पर निर्भरता कम करने के प्रयासों को दर्शाता है। –(इनपुटः पीआईबी)